भारत कोकिंग कोल लि० में नियुक्ति

305. **डा० रत्नाकर पाण्डेय :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत कोकिंग कोल लि० ने 1983 के प्रारंभ में "ई" ग्रेड में नियुक्ति के लिए एक प्रतीक्षा सूची तैयार की थी;

(ख) क्या उपर्युक्त सूची में से कुछ व्यक्तियों को जून, 1983 में खपा लिया गया था;

(ग) क्या यह सच है कि इसके बाद पद रिक्त होने पर भी कोई नियुक्ति नहीं की गई; और

(घ) क्या यह भी सच है कि जब इस वर्ष नियुक्तियां शुरू की गई, उपर्युक्त प्रतीक्षा सूची में अनेक व्यक्तियों को मनमाने ढंग से नियुक्त किया गया और प्रतीक्षा सूची में उनके क्रमांक का खयाल नहीं किया गया ?

ऊर्जा मंत्री (श्री वसन्त साठे) : (क) और (ख) भारत कोकिंग कोल लि० ने खुदाई वर्ग "ई" में फिटर-हेल्पर (खुदाई) के पद पर नियुक्ति के लिए 1983 के प्रारम्भ में 7 व्यक्तियों का एक पैनल बनाया था । इस पैनल के छः व्यक्तियों की विधिवत नियुक्ति हो गई थी । सातवें व्यक्ति को नियुक्त नहीं किया जा सका क्योंकि उसका अनुभव प्रमाण-पत्र जाली पाया गया ।

(ग) जी, हां । इसका कारण यह था कि तब तक पैनल पूरा हो चुका था। बाद में रिक्तियां भरने पर रोक लगा दी गई तथा कंपनियों से कहा गया कि वे जनशक्ति पर कड़ा नियंत्रण रखने की दृष्टि से आगे भर्ती मत करें ।

(घ) इस वर्ष कोई नियुक्तियां नहीं की गई हैं ।

जाली टर्मिनेशन वाउचर

306. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :**
कुमारी सुशीला तिरिया :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड के घरेलू गैस वितरकों को कुछ समाज-विरोधी तत्वों से जाली टर्मिनेशन वाऊचर जो इन्हें दिल्ली में रह रहे ग्राहकों से प्राप्त कर रहे हैं और जिनकी धरोहर राशि अधिक नहीं है, प्राप्त हो रहे हैं और यदि हां, तो क्या इस मामले की कोई जांच की गई है;

(ख) यदि हां, तो उसका क्या परिणाम निकला;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान दिल्ली के घरेलू गैस वितरकों को देश के विभिन्न भागों से कुल कितने जाली टर्मिनेशन वाऊचर प्राप्त हुए ;

(घ) क्या जाली टर्मिनेशन वाऊचरों की वास्तविकता का पता लगाने के लिए केन्द्रीय जांच ब्यूरो से कोई जांच करवाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; और

(ङ) यदि हां, तो प्रस्ताव का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री और वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) : (क) और (ख) इंडियन आयल कारपोरेशन को एल पी जी वितरकों को अपने सामान्य व्यापार के दौरान कुछ जाली ट्रान्सफर वाउचर प्राप्त हुए हैं। सामान्यतः टर्मिनेशन वाउचर की प्रामाणिकता के संबध में प्राप्त करने वाले वितरक के द्वारा जारी करने वाले वितरक से पुष्टि करने के समय जाली वाउचर पकड़े जाते हैं। जहां भी व्यावहारिक होता है कनेक्शन को रद्द करने तथा पुलिस में मामला दर्ज करवाने सहित कार्रवाई की जाती है ।

(ग) 1984-85, 1985-86 और 1986-87 के दौरान दिल्ली में इंडियन आयल कारपोरेशन के एल पी जी वितरकों द्वारा क्रमश : 88,52 और 49 मामले पकड़े गए ।

(घ) और (ङ) वर्तमान लागू पद्धति को देखते हुए सी बी आई द्वारा जांच करवाने का कोई प्रस्ताव नहीं है ?

Long term oil plan

307. SHRI B. NARAYANASAMY: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have formulated any long term oil plan to meet the increasing demands in the coming years;

(b) if so, what are the main features of the said plan; and

(c) whether it has been put into implementation?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI (BRAHM DUTT): (a) and (b) Both Oil & Natural Gas Commission (ONGC) and Oil India Ltd. (OIL) have prepared long-term plans. 20 years Perspective Plan of ONGC (1985-2005) indicates long-term exploration and exploitation strategy of hydrocarbons in order to meet the growing demand for hydrocarbons in the country.

The Corporation Plan of OIL (1985-86-1990-91) aims *inter-alia* at maintaining existing level of crude oil production from the ageing fields in Assam, developing new fields/ tools for commercial production, intensification in exploratory efforts etc.

(c) These plans are currently under implementation.

यमुनापार क्षेत्र के लिए खाना पकाने की गैस के सिलण्डरों की आवश्यकता

308. **श्री सुनील कुमार पटनायक** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली के यमुना-पार क्षेत्र के लिए खाना पकाने की गैस के सिलेण्डरों की अनुमानित मासिक आवश्यकता कितनी है ;

(ख) इस समय दिल्ली में विभिन्न बाटलिंग संयंत्रों द्वारा प्रत्येक महीने कितने गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की जाती है ;

(ग) क्या खाली सिलेण्डरों के स्थान पर भरे हुए सिलेण्डर दिये जाने में कोई विलम्ब होता है ;

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ङ) यदि नहीं, तो गैस बुक करवाने के पश्चात घरेलू वितरकों द्वारा भरे हुए सिलेन्डर बुक करवाने के सात से दस दिनों के बाद दिए जाने के क्या कारण हैं; और

(च) सरकार दिल्ली में गैस आपूर्ति की स्थिति नई दिल्ली के समान बनाने के लिए क्या कार्यवाही कर रही है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री और वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) : (क) यमुनापार क्षेत्र में औसतन प्रति माह लगभग 1,04,250 एल० पी० जी० सिलिंडर की आवश्यकता होती है ।

(ख) लगभग 6,80,000 सिलिंडर प्रतिमाह ।

(ग) से (च) कार्यात्मक तथा परिवहन की अड़चनों, मांग में मौसमी वृद्धि आदि के कारण कभी-कभी एल० पी० जी० रिफिलों की सप्लाई में बैकलॉग उत्पन्न हो जाता है । ऐसी परिस्थितियों में मांग को पूरा करने के लिए अन्य साधनों से सप्लाई को बढ़ाने का तेल विपणन कम्पनियों का प्रयास रहता है । बढ़ी